आधुनिक भारत

पुर्तगाली
डच
अंग्रेज
फ्रांसीसी

पुर्तगाली :- 1498 में वास्को डी-गामा आया। Cape of Good of (Capetown) से होकर आया।
⇒ 1961 में पुर्तगालियों से गोवा को मुक्त करवाया गया।

अंग्रेज :-
⇒ 1608 में प्रथम अंग्रेज हॉकिन्स जहाँगीर के दरबार में आया।
⇒ अंग्रेज व्यापार के उद्देश्य से आए थे।
⇒ 1757 में प्लासी का युद्ध अंग्रेजों और सुराजुद्दौला के बीच हुआ। जो बंगाल का नवाब था। मीर-जाफर ने सिराजुद्दौला की हत्या की।

⇒ 1764 ई० बक्सर का युद्ध हुआ।

⇒ बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स बना।

H - हिक्की ने बंगाल गजट अखबार निकाला
H - हिन्दू ग्रन्थ गीता को English में अनुवाद किया विलियम विलकिंस ने।
H - 1773 ई० में Regulation Act आया, कलकत्ता को सर्वोच्च न्यायालय बनाया।

लॉर्ड कार्नवालिस :

⇒ बंदोबस्त व्यवस्था शुरू। 90% अनाज अंग्रेजों के पास रहता था, 10% किसानों को रखना पड़ता है।
⇒ लोक सेवा के जनक लार्ड कार्नवालिस को कहा जाता है।

लॉर्ड बैंटिंग :-

⇒ 1829 ई० में राजा राममोहन राय के साथ मिलकर सती-प्रथा का अन्त किया।
⇒ English को शिक्षा का माध्यम बनाया। लॉर्ड-मैकाले की अनुशंसा से।

लॉर्ड डलहौजी :-

⇒ हड़प-नीति अपनाई। सबसे पहले हड़पा गया राज्य सतारा 1848 में और इस नीति से हड़पा गया अंतिम राज्य 1856 में अवध था।
⇒ लॉर्ड डलहौजी को रेलवे को जनक माना जाता है। 1853 में।
⇒ शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया। और डाक-टिकट की शुरुआत की। डाक दिवस 9 अक्टूबर को मनाया जाता है।

लॉर्ड कैनिंग :-

⇒ भारत का अंतिम गवर्नर और प्रथम वायसराय था। ये 1856 में वायसराय बना और 1857 में क्रान्ति हुई।
⇒ 1857 की क्रान्ति से कंपनी का शासन खत्म हुआ और शासन ब्रिटिश सरकार के हाथ में चला गया।
⇒ 1857 का विद्रोह चर्बी वाले कारतूस के विरोध में बैरकपुर छावनी से मंगलपांडे ने शुरू किया। 34वीं रेजीमेंट से थे।
⇒ झाँसी से रानी लक्ष्मीबाई ने विद्रोह किया।
⇒ तांत्या टोपे ने कानपुर से विद्रोह शुरू किया।

GovtJobMart

⇒ बेगम हजरत महल ने लखनऊ से विद्रोह किया।

⇒ मद्रास में 1857 का विद्रोह नहीं हुआ।

⇒ 1862 में मद्रास, कलकत्ता और बम्बई High Coart की स्थापना की गई। 2016 में इन हाइकॉर्ट का नाम बदला गया। Act-1861

⇒ रेलवे का सबसे ज्यादा विस्तार लॉर्ड केनिंग के काल में हुआ।

लॉर्ड मेयो :- (वायसराय)

⇒ लॉर्ड मेयो के काल में 1872 में भारत की पहली जनगणना हुई। लेकिन लॉर्ड रिपन ने 1881 में जनगणना को 10 वर्ष को नियमित किया।

लॉर्ड डफरिन :-

⇒ कॉंग्रेस पार्टी की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 में डफरिन के काल में A.O. Hume ने की। उस समय इस पार्टी का नाम भारतीय राष्ट्रीय संघ था और इसमें कुल 72 सदस्य थे।

⇒ कॉंग्रेस पार्टी की स्थापना गोकुल दास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में की गई।

⇒ इसका प्रथम अधिवेशन 1885 ई. में बम्बई में हुआ, जो पहले पुना में होना था (प्लेग की वजह से) और इसकी अध्यक्षता W.C. बनर्जी ने (जो इसके प्रथम अध्यक्ष थे) ने की।

⇒ 1886 में दूसरा अधिवेशन कलकत्ता की अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की। ब्रिटेन पार्लियमेंट के लिए चुने गए प्रथम भारतीय दादा भाई नौरोजी थे।

⇒ 1887 ई. में मद्रास में प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष बदरुद्दीन तैयब जी ने की।

GovtJobMart

⇒ 1888 ई॰ में इलाहाबाद अधिवेशन की अध्यक्षता प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष जॉर्ज युल ने की।

⇒ 1896 ई॰ में पाँचवे अधिवेशन (कलकत्ता) मे राष्ट्रीय गीत पहली बार बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा गाया गया। यह आनन्द-मठ से लिया गया।

⇒ 1906 ई॰ में (कलकत्ता) अधिवेशन मे पहली बार स्वराज शब्द का प्रयोग हुआ। इसकी अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की।

⇒ 1907 ई॰ मे सूरत अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन मे कांग्रेस और गुटों मे बंट गया। नर्म दल और गर्म दल। इस अधिवेशन की अध्यक्षता रामबिहारी बोस ने की।

⇒ 1911 ई॰ में जन-गण-मन राष्ट्र-गान अपनाया गया, यह तत्वबोधिनी पत्रिका मे प्रकाशित हुआ। राष्ट्र-गान की धुन्न कैप्टन रामसिंह ठाकुर ने की।

⇒ 1916 ई॰ में लखनऊ समझौता कांग्रेस पार्टी और मुस्लिम लीग के बीच हुआ। जिसमे नर्म और गर्म दल इकट्ठे हुए।

⇒ 1917 ई॰ मे कांग्रेस पार्टी की प्रथम महिला अध्यक्ष एनी बेसेंट बनीं।

⇒ 1918 ई॰ मे दिल्ली अधिवेशन मे मदन मोहन मालवीय द्वारा मौलिक अधिकारों की माँग की गई।

⇒ 1923 मे दिल्ली अधिवेशन मे कांग्रेस के सबसे युवा और सबसे लम्बे समय तक अबुल कलाम आजाद अध्यक्ष रहे।

⇒ 1924 ई॰ मे बेलगांव अधिवेशन इसमे महात्मा गांधी (एक ही बार) अध्यक्ष बनें।

⇒ 1925 ई॰ मे कानपुर अधिवेशन प्रथम भारतीय महिला सरोजिनी नायडू अध्यक्ष बनीं।

⇒ 1929 ई॰ मे लाहौर अधिवेशन मे नेहरू दवारा पुर्ण स्वराज्य (26, जनवरी) की माँग की गई।

⇒ 1937 ई॰ मे फैजपुर गांव (प. बंगाल) अधिवेशन हुआ।

GovtJobMart

⇒ 1938 ई० में हरिपुरा (गुजरात) अधिवेशन में सुभाष चन्द्र बोस अध्यक्ष रहे।

⇒ 1946 ई० में आजादी के समय कॉंग्रेस पार्टी के अध्यक्ष जे. बी. कृपलानी थे।

⇒ 1905 में बंगाल विभाजन हुआ। यह लॉर्ड-कर्जन के काल में हुआ। इसका मुख्य कारण राष्ट्रीय चेतना रहा। 16 Oct. 1905, में बंगाल में इसे शोक के रूप में मनाया जाता है। इसके बाद बहिष्कार आंदोलन की शुरूआत बालगंगाधर तिलक ने की। इसमें सरकारी स्कूलो और पदवियों का बहिष्कार किया गया।

⇒ रविन्द्र नाथ टैगोर ने आमार सोनार बांग्ला गीत लिखा जो आगे चलकर बांग्लादेश का राष्ट्रीय गीत बना।

⇒ 1906 ई० में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई। आगा खाँ और ढाका के नवाब सलीमुल्ला ने स्थापना की। मुस्लिमों को राजनैतिक अधिकार दिलवाने के लिए।

⇒ 1909 ई० में मार्ले-मिंटो सुधार हुए; मार्ले-मिंटो भारत के सचिव थे। इसमें मुस्लमानों के लिए पृथक-चुनाव की बात कही गई।

⇒ 1911/1912 1911 में लॉर्ड हॉर्डिंग के काल में दिल्ली-दरबार लगा, इसमें ब्रिटिश-राजा जार्ज-पंचम रानी मैरी के साथ आए। इन्होंने बंगाल विभाजन रद्द करने की घोषणा की।
→ कलकत्ता से दिल्ली राजधानी बनाई गई।

⇒ 1913 ई० में गदर-पार्टी की स्थापना की। इसकी स्थापना लाला-हरदयाल और मैडम बी कामा काजी ने (USA) मे की।
युगांतर-प्रेस की स्थापना हुई और गदर-समाचार-पत्र (साप्ताहिक) निकाला।

GovtjobMart

⇒ 1915 ई में महात्मा गाँधी 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे। इस वजह से 9 जनवरी को प्रवासी दिवस मनाया गया।

⇒ 1916 ई० में लखनऊ समझौता कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच हुआ। 9 वर्ष बाद नर्म दल और गर्म दल इकट्ठे हुए।

इस समझौते में मुस्लिमों के लिए पृथक-चुनाव को अनुमति मिली। इस समझौते की अध्यक्षता अम्बिका चरण मजुमदार ने की।

⇒ 1916 ई० में ही होम-रुल लीग आन्दोलन शुरू हुआ, इसे बालगंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने शुरू किया। बालगंगाधर ने इसे बेलगांव, पूणा (महाराष्ट्र से) शुरू किया। इस आंदोलन का प्रचार केसरी और मराठा तथा न्यू इंडिया व कॉमनवेल्थ अखबार द्वारा किया गया।

⇒ June, 1916 में लंदन में भी Indian Home Rule आंदोलन शुरू हुआ। यह दादा भाई नौरोजी ने शुरू किया।

1917 ई० में चम्पारन सत्याग्रह (बिहार) में किसानों के लिए नील की खेती के लिए किया गया। नील-दर्पण आंदोलन को नाटक के रूप में दीनबंधु द्वारा रचनीत किया गया। गाँधी की जीत हुई। इसके बाद रविन्द्रनाथ टगौर ने महात्मा की उपाधि दी।

1919 ई० में रॉल्ट-एक्ट आया। कोई भी संदिग्ध आदमी के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती थी। भारतीयों ने इसे काला कानून कहा। इसके विरोध में गाँधी जी ने सत्याग्रह की शुरुआत की। इसलिए महात्मा गाँधी पर पंजाब में जाने का प्रतिबंध लगा।

⇒ 13 अप्रैल, 1919. जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। पंजाब के दो नेता डा० सतपाल और सैफुदिन किचलू को पंजाब (अमृतसर) के D.C द्वारा संदिग्ध पाए जाने के शक में गिरफ्तार किया। जिसके विरोध में लोग जलियांवाला बाग में इकट्ठा हुए।

⇒ इसकी जाँच के लिए हण्टर आयोग बनाया गया। निर्णय में जनरल डायर को पद से हटाया गया। उसे मान की तलवार की उपाधि दी गई।

GovtJobMart

⇒ 1919 में खिलाफत आंदोलन (धार्मिक-आंदोलन) शुरू हुआ। इसका नेतृत्व गाँधी जी ने किया।

⇒ 1920, August में असहयोग आँदोलन कॉंग्रेस के कलकत्ता आँदोलन में पारित हुआ लेकिन इसकी पुष्टि नागपुर अधिवेशन में की गई। इसमें विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया।

⇒ गाँधी ने इस आँदोलन को चौरा-चौरी (गोरखपुर) की घटना की वजह से वापस ले लिया गया। 1922 में

⇒ असहयोग आंदोलन में मोहम्मद अली को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया।

1923, March स्वराज पार्टी की स्थापना मोतीलाल नेहरू ने की और इसके प्रथम अध्यक्ष चित्रंजन दास बने।

1925 ई० में काकोरी कांड हुआ, जिसमे सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली रेलगाड़ी को असफाक उल्लाह खाँ, रामप्रसाद बिस्मिल ने लूटा। इसमें 28 लोगों को फाँसी हुई।

⇒ असफाक उल्लाह खां प्रथम मुस्लिम थे, जिन्हें फाँसी दी गई।

⇒ रामप्रसाद बिस्मिल और चन्द्रशेखर ने HRA (Hindustan Replican Party) की स्थापना की। रामप्रसाद बिस्मिल की मृत्यु के बाद पार्टी का पतन हुआ।

1928 ई० में साइमन कमीशन भारत आया। उसके सभी सदस्य अंग्रेज थे, इसलिए इसे WHITE COMISSION भी कहा जाता है।

इसका विरोध लाला लाजपतराय ने किया लाहौर में। जिसकी वजह से लाला लाजपतराय पर लाठीचार्ज हुआ। जो सांण्डरस द्वारा की गई।

सांडरस की हत्या चन्द्रशेखर, राजगुरु और भगतसिंह ने की। इन तीनों ने एक पार्टी HSRA भी बनाई।

GovtJobMart

1929 - 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ। यह आंदोलन अहमदाबाद, साबरमती आश्रम से शुरू हुआ। इसमें 78 लोगों ने दांडी यात्रा 24 दिन में पूरी की।

26 जनवरी, 1930 को प्रथम स्वराज दिवस मनाया गया।

1930-31-32 में तीन गोलमेज सम्मेलन हुए। ये लंदन में हुए, इनका उद्घाटन जॉर्ज पंचम ने किया और इसकी अध्यक्षता रैम्जे डोनाल्ड ने की।

⇒ प्रथम ~~सम्मेलन~~, द्वितीय और तृतीय तीनों गोलमेज सम्मेलन में डॉ बी. आर. अम्बेडकर ने भाग लिया

⇒ दूसरे गोलमेज सम्मेलन गाँधी जी ने भी भाग लिया। उनके अलावा एनी बेसेंट और मदन मोहन मालवीय ने अपने खर्चे पर गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

⇒ 1932 में गाँधी और बी. आर. अम्बेडकर के बीच पूना-पैक्ट समझौता हुआ।

⇒ 1932 में महात्मा गाँधी को जेल भेज दिया गया जिससे सविनय अवज्ञा आन्दोलन फिर से शुरु हुआ।

1942 में

⇒ 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन शुरू हुआ, जिसमें करो या मरो का नारा महात्मा गांधी ने दिया।

1947

⇒ 15 अगस्त 1947 को अंग्रेज भारत छोड़कर चले गये। भारत आजाद हुआ। ***

GovtJobMart